Toppersnotes
Unleash the topper in you

H - TET

PRIMARY TEACHER (PRT)

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा

प्राथमिक स्तर

भाग - 1

बाल विकास एवं शिक्षण विधि, पर्यावरणीय अध्ययन

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

Child Development of pedagogy

(1) शिक्षा मनोविज्ञान 1
(2) अधिगम (सीखना) 6
(3) बाल विकास 18
(4) व्यक्तित्व 27
(5) बुद्धि 36
(6) व्यक्तिगत विभिन्नता 47
(7) Trick –
1. बुद्धि के सिद्धान्त 53
2. बाल विकास 54
(8) समाजीकरण 59
(9) One liner question 61
(10) Psychology की Books और उनके लेखक 80
(11) मनोविज्ञान के सिद्धान्त व प्रतिपादक 83
(12) शिक्षण विधियां 87
(13) जीनपियाजे, कोहलबर्ग एवं वाइगोत्सकी के सिद्धान्त 89
(14) सतत एवं व्यापन मूल्यांकन 94
(15) शिक्षण सामग्री और सहायता 104

EVS Science

(1) पर्यावरणीय अध्ययन 108
(2) जैव मण्डल 113
(3) पारितंत्र, नदियां 114
(4) आश्रय 118
(5) यातायात 120
(6) जल 121
(7) पर्यावरणीय प्रदूषण 123
(8) ग्रीन हाउस प्रभाव 126
(9) परिवार 127
(10) खाद्य और पोषण 128
(11) वनस्पति और वन्यजीव पर आधारित नोट्स 133
(14) भारत के प्रमुख वन्यजीव अभ्यारण/राष्ट्रीय उद्यान 137
(11) वन्य जीव संरक्षण परियोजना 142
(11) जैव मण्डल सुरक्षित क्षेत्र 144
(11) रेड डाटा बुक 145
(11) खेल 146
(11) भारत में पर्व 147
(14) महत्वपूर्ण दिवस 165

E.V.S. pedagogy

(1) पर्यावरण का परिचय, परिभाषा, प्रकार संरचना, क्षेत्र आदि 166
(2) पर्यावरण के महत्व 171
(3) पर्यावरण अध्ययन की संकल्पना (NCF 2005) 173
(4) पर्यावरण अध्ययन की समस्याओं में एक अंतदृष्टि 176
(5) प्राथमिक स्तर पर EVS शिक्षण के उद्देश्य, शिक्षा आदि 180
(7) विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों से पर्यावरण का सम्बन्ध 185
(9) पर्यावरण में अधिगम 189

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Unit-1

शिक्षा मनोविज्ञान

Psychology शब्द की उत्पत्ति (गैरेट के अनुसार) ग्रीक/लैटिन भाषा के दो शब्द Psyche + Logos से हुई।

अर्थ

Psyche - आत्मा
Logos - अध्ययन करना

16 वीं शताब्दी में सर्वप्रथम प्लेटो, अरस्तू तथा डेकार्ट ने मनोविज्ञान को आत्मा का विज्ञान माना।

17 वीं शताब्दी में इटली के मनोवैज्ञानिक पॉम्पोनॉजी व सहयोगी थासडरीड ने मनोविज्ञान को मन या मस्तिष्क का विज्ञान माना।

19 वीं शताब्दी में विलियम वुण्ट, विलियम जेम्स, जेम्सली टिचनर, वाइवस आदि के द्वारा मनोविज्ञान को चेतना का विज्ञान माना।

20 वीं शताब्दी में मनोवैज्ञानिक वाटसन, वुडवर्थ, स्किनर मैकडूगल व थार्नडाइक आदि ने मनोविज्ञान को व्यवहार का विज्ञान माना।

Note - विलियम वुण्ट ने जर्मनी के लिपजिंग शहर में 1879 को प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला, भारत में 1915 कलकत्ता में सेन गुप्त द्वारा प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित की इसलिए विलियम वुण्ट को 'प्रयोगात्मक मनोविज्ञान' का जनक माना जाता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

परिभाषाएँ

1) J. S. रॉस के अनुसार, "पहले मनोविज्ञान का अर्थ आत्मा से लगाया जाता था परन्तु यह परिभाषा अस्पष्ट है क्योंकि हम इस प्रश्न का संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकते कि 'आत्मा क्या है?' अतः 16 वीं शताब्दी में मनोविज्ञान का अर्थ अस्वीकार कर दिया।

2) पिल्सबरी के अनुसार, "मनोविज्ञान की सबसे संतोषजनक परिभाषा मानव व्यवहार के विज्ञान के रूप में की जा सकती है।
"Psychology may most satisfactorily defined as the science of human behavior."

3) वुडवर्थ के अनुसार —
1) मनोविज्ञान व्यक्ति के पर्यावरण के सम्बन्ध में व्यक्ति की क्रियाओं का विज्ञान है।
Psychology is the science of the activities of the individual in relation to environment.

2) "मनोविज्ञान के सर्वप्रथम अपनी आत्मा का त्याग किया। फिर मन व मस्तिष्क का त्याग किया फिर उसने अपनी चेतना का त्याग किया और वर्तमान में मनोविज्ञान व्यवहार के विधि स्वरूप को स्वीकार करता है।"

4) मैक्डूगल के अनुसार — मनोविज्ञान व्यवहार व आचरण का विज्ञान है।

Psychology is a positive science of the conduct or behavior.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

5) वाटसन का कथन – 1) "तुम मुझे एक बालक दो मैं उसे वो बना सकता हूँ जो मैं बनाना चाहता हूँ।"

2) मनोविज्ञान व्यवहार का शुद्ध, निश्चित, सकारात्मक, धनात्मक विज्ञान है।

6) स्किनर के अनुसार –

1) मनोविज्ञान व्यवहार व अनुभव का विज्ञान है।

2) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापकों की तैयारी की आधारशिला है।

7) क्रो एवं क्रो के अनुसार – मनोविज्ञान मानव व्यवहार और मानव सम्बन्धों का अध्ययन है।

8) N.L. मन के अनुसार –

1) मनोविज्ञान मनुष्य के अनुभव के आधार पर व्याख्या किए गए आन्तरिक अनुभव तथा बाह्य व्यवहार का विधायक विज्ञान है।

Psychology is a positive science of experience and behavior interpreted in terms of experience.

2) आधुनिक मनोविज्ञान का सम्बन्ध व्यवहार की वैज्ञानिक खोज है।

9) R.H. थाउलैस के अनुसार – मनोविज्ञान मानव अनुभव एवं व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है।

Psychology is the positive science of human experience and behavior.

10) गार्डनर मर्फी के अनुसार – मनोविज्ञान वह विज्ञान है जिसमें जीवित प्राणियों की उन क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है जिनको हम वातावरण के प्रति तैयार करते हैं।

11) बोरिंग के शब्दो में — ~~मानव~~ मनोविज्ञान मानव प्रकृति का अध्ययन है।

12) वारेन के अनुसार — मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो एक प्राणी और परिवेश में सरोकार रखता

Psychology is the science which deals with the mutual interrelation between an organism and environment.

Points to Remember of Educational psychology

★ मनोविज्ञान शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम रुडोल्फ गोयकल को जाता है।

★ प्रथम शैक्षिक मनोवैज्ञानिक थार्नडाइक को माना जाता है।

★ शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण का सूत्रपात रुसो ने किया। उन्होने अपनी पुस्तक E-mail में लिखा है — शिक्षा संस्कृत के शिक्ष् धातु से बना।

Definitions :

1) स्किनर के अनुसार — 'मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है।'

2) क्रो एण्ड क्रो के अनुसार — शिक्षा मनोविज्ञान जन्म से वृद्धावस्था तक एक व्यक्ति के सीखने के अनुभवों का वर्णन और व्याख्या करता है।

3) फ्रोबेल के अनुसार — शिक्षा एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक बालक अपनी जन्मजात शक्तियों का विकास करता है।

4) रुसो के अनुसार — बालक एक पुस्तक के समान है जिसका अध्ययन प्रत्येक अध्यापक को करना चाहिए।

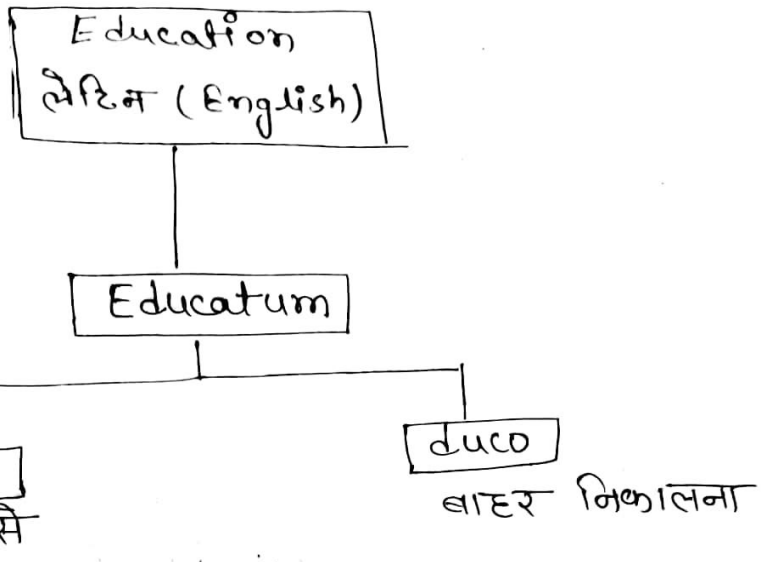

Toppersnotes
Unleash the topper in you

* Education शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के दो अन्य शब्दों से भी मानी जाती है।

1) Educare (अर्थ – पालन पोषण करना)

2) Educere (अर्थ – आगे बढ़ाना)

शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति –

1) शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति वैज्ञानिक है।

2) इसमे नियम व सिद्धान्त का प्रयोग किया जाता है। जो कि सार्वभौमिक होते हैं।

3) शिक्षा मनोविज्ञान व्यक्ति के व्यवहार का वैज्ञानिक अध्ययन करता है।

4) शिक्षा मनोविज्ञान एक सकारात्मक (विधायक) विज्ञान है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Unit-2

अधिगम (सीखना)

परिभाषाएँ -

1) स्किनर के अनुसार – सीखना व्यवहार में प्रगतिशील सामंजस्य की प्रक्रिया है।

2) वुडवर्थ के अनुसार – नवीन ज्ञान और नवीन प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने की प्रक्रिया सीखने की प्रक्रिया है।

3) क्रो एंड क्रो के शब्दों में – सीखना, आदतों, ज्ञान और अभिवृत्तियों का अर्जन है।

4) क्रानबेक के अनुसार – सीखना, अनुभव के फलस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन के द्वारा दिखलाई पड़ता है।

5) गेट्स – सीखना, अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन है।

6) डॉ॰ S.S. माथुर – सीखना एक सक्रिय प्रक्रिया है जो व्यक्ति के अपने कार्यों पर निर्भर करती है जबकि मानसिक अभिवृद्धि तथा प्रौढ़ता विकास की प्रक्रियाएँ हैं।

7) पील का कथन – सीखना व्यक्ति में एक परिवर्तन है जो उसके वातावरण के परिवर्तनों के अनुसरण में होता है।

8) गेगने के अनुसार – सीखना व्यवहार में परिवर्तन है साथ ही साथ मानव संस्कार अथवा क्षमता में परिवर्तन, जो धारण किया जा सकता है तथा जो केवल वृद्धि की प्रक्रिया के ऊपर ही आरोप्य नहीं है।

9) गिलफोर्ड के अनुसार – व्यवहार के कारण व्यवहार परिवर्तन ही अधिगम है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

10) मार्गन के अनुसार – अधिगम अपेक्षाकृत व्यवहार में स्थायी परिवर्तन है जो अभ्यास अथवा अनुभव के परिणामस्वरूप होता है।

11) कालविन के अनुसार – पूर्व निर्मित व्यवहार में अनुभव द्वारा परिवर्तन ही अधिगम है।

12) पावलाव के अनुसार – अनुकूलित अनुक्रिया के परिणामस्वरूप आदत का निर्माण ही अधिगम है।

13) वुडवर्थ के अनुसार – "सीखना विकास की प्रक्रिया है।"

14) स्टैगनर के अनुसार – जब व्यक्ति में बौद्धिक तथा अनुकूलित व्यवहार आ जाता है, तो हम वस्तुओं में प्रत्यक्षीकरण करना तथा उनमे पारस्परिक सम्बन्ध देखना सीख जाते हैं।

सीखने को प्रभावित करने वाले कारक

1) शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य

2) परिपक्वता

कॉलसेनिक – परिपक्वता तथा सीखना पृथक प्रक्रियाएँ नही हैं वरन् एक दूसरे पर निर्भर है।

3) सीखने की इच्छा

4) प्रेरणा

5) विषय सामग्री का स्वरूप

6) वातावरण

7) शारीरिक एवं मानसिक थकान

ड्रेवर के अनुसार – थकान का अर्थ कार्य करने में शक्ति के पूर्व व्यय के फलस्वरूप कार्य करने की योग्यता या उत्पादकता में ह्रास आना।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

अधिगम की प्रभावशाली विधियाँ

1) करके सीखना
2) अनुकरण द्वारा सीखना
3) निरीक्षण द्वारा सीखना
4) परीक्षण द्वारा सीखना
5) सामूहिक विधियों द्वारा सीखना
6) सम्मेलन एवं विचार गोष्ठी अधिगम
7) प्रायोजना विधि
8) समवयस्क (सहपाठी) समूह अधिगम

अधिगम के सिद्धान्त / नियम :-

1) थार्नडाइक के सीखने के नियम :-

इन्होने कुल सीखने के 8 नियम दिए जिसमें 3 प्रमुख व 5 गौण या सहायक नियम दिए।

1) मुख्य नियम —
   (i) तत्परता का नियम
   (ii) अभ्यास का नियम < उपयोग का नियम / अनुपयोग का नियम
   (iii) प्रभाव / संतोष / असंतोष का नियम

2) गौण या सहायक नियम —
   (iv) बहुप्रतिक्रिया का नियम
   (v) आभिवृत्ति या मनोवृत्ति का नियम
   (vi) आंशिक क्रिया का नियम
   (vii) आत्मीकरण का नियम
   (viii) साहचर्य परिवर्तन का नियम

पर्यावरणीय अध्ययन

→ प्रकृति में वायु, जल, मृदा, पेड़-पौधे तथा जीव जन्तु सभी सम्मिलित रूप से पयविरण की रचना करते हैं।

→ पयविरण से अभिप्राय हमारि चारो ओर फैले हुये उस वातावरण एवं परिवेश से है जिसमे हम घिरे हुये है।

→ पयविरण (Environment) शब्द दो शब्दो 'Environ' तथा 'Ment' से मिलकर बना है जिसका अर्थ है घेरना तथा चतुर्दिक अर्थात (चारो ओर से).

अर्थात पयविरण उस आवरण को कहेगें जो सम्पूर्ण पृथ्वी (जलमण्डल, स्थलमण्डल, वायुमण्डल एवं जैवमण्डल) तथा इनके विभिन घटको को अपने से ढके हुये हैं।

पारिस्थितिकी (Ecology) — जीवधारियो तथा उनके पयविरण के बीच पारस्परिक सम्बन्ध को अध्ययन को पारिस्थतकी (Ecology) कहते है।

→ Ecology शब्द दो ग्रीक शब्दो Oikos (ओइकोस = रहने का स्थान) तथा logos (लोजोस = अध्ययन) के मिलने से बना है।

→ अर्नस्ट हैकल ने 1869 में सर्वप्रथम Oceologie शब्द का प्रयोग किया।

→ Reiter (रीटर) ने 1868 में सर्वप्रथम Ecology शब्द दिया।

पारिस्थितिकी की शाखाएँ —:

1. संख्या पारिस्थितिकी — एक जाति के जीवो के मध्य पारस्परिक क्रियाओ का अध्ययन किया जाता है।
2. बायोम पारिस्थितिकी — किसी क्षेत्र विशेष में समान जलवायु सम्बन्धी दशाओ के अन्तर्गत एक से अधिक जैविक समुदायो के अनुक्रम

Toppersnotes
Unleash the topper in you

की विभिन्न अवस्थाओ में पारस्परिक क्रियाओ तथा अन्तर्सम्बंधो का अध्ययन किया जाता है।

3. पारिस्थितिकी तन्त्र पारिस्थातिकी (Ecosystem Ecology) →
किसी क्षेत्र विशेष में समस्त जीवधारियो तथा पादपो के आपस में तथा उनके भौतिक पर्यावरण के साथ पारस्परिक क्रियाओ तथा अन्तर्सम्बन्धो का अध्ययन किया जाता है।

4. समुदाय पारिस्थातिकी (Community Ecology) →
इसके अन्तर्गत किसी क्षेत्र में पौधो तथा जन्तुओ की विभिन्न प्रजातियो के जीव समूहो के मध्य पारस्परिक क्रियाओ तथा परस्परावलम्बन का अध्ययन किया जाता है।

5. एश्चुअराइन पारिस्थतिकी (Esturaine Ecology) →
नदी के मुहाने अर्थात् इसके समुद्र के साथ मिलने वाले क्षेत्र में रहने वाले विभिन्न जीवधारियो का अध्ययन वहां के वातावरण के साथ किया जाता है।

6. संरक्षण पारिस्थतिकी (Conservation Ecology) →
प्राकृतिक संसाधनो के उचित प्रयोग तथा प्रबन्धन का अध्ययन किया जाता है। प्राकृतिक संसाधनो में वन, वन्यजीव, भूमि, जल, प्रकाश, तथा खनिज, आदि आते है।

आयतन के अनुसार वायुमंडल में (तीस मील के अंदर) विभिन्न गैसों का मिश्रण —

नाइट्रोजन (N_2) = 78.07 %
आक्सीजन (O_2) = 20.93 %
कार्बन डाई आक्साइड (CO_2) = 0.03 %
आर्गन (Ar) = 0.93 %

1. वायुमण्डल में पायी जाने वाली सबसे अधिक मात्रा में गैस = नाइट्रोजन
2. आक्सीजन के अभाव में हम ईंधन नहीं जला सकते हैं। अतः यह ऊर्जा का मुख्य स्रोत है।
3. आकाश का रंग नीला धूल-कण के कारण ही दिखाई देता है
4. पृथ्वी के ताप को बनाये रखने के लिये CO_2 और जलवाष्प आवश्यक है।
5. **वायुमण्डल की संरचना** = वायुमण्डल को निम्न परतों में बांटा गया है।

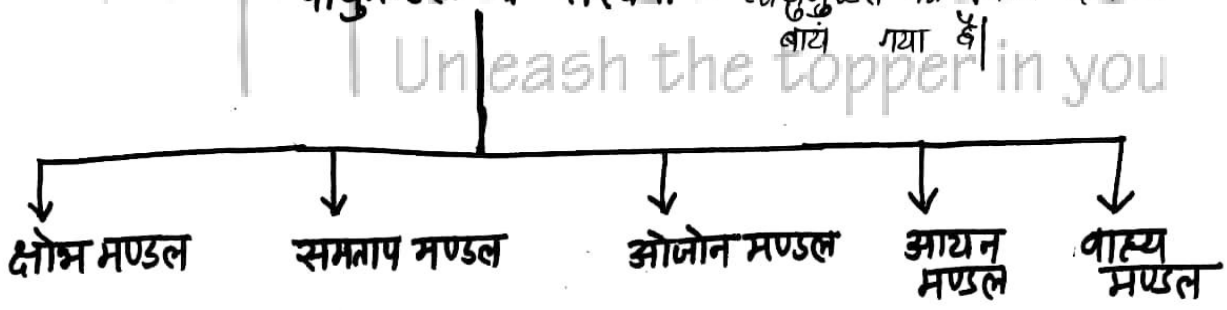

1. क्षोभमण्डल वायुमण्डल की सबसे निचली परत है।
2. सभी मुख्य वायुमण्डलीय घटनायें जैसे- बादल, आँधी, एवं वर्षा इसी मण्डल में होती है।
3. इस मण्डल को संवहन मण्डल कहते हैं क्योंकि संवहन धाराएँ इसी मण्डल की सीमा तक होती है। इस मंडल को अधोमण्डल भी कहते हैं
4. इसकी ऊँचाई ध्रुवों पर 8 km तथा विषुवत रेखा पर लगभग 18 km होती है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

२. समताप मण्डल → (Stratosphere)

1. समताप मण्डल 10-32 km की ऊँचाई तक है।
2. इसमे तापमान समान रहता है इसलिये इस मंडल में वायुयान उड़ने की आदर्श दशा पायी जाती है।
3. समताप मण्डल की मोटाई ध्रुवो पर सबसे अधिक होती है। कभी-२ विषुवत रेखा पर इसका लोप हो जाता है।

3. ओजोनमण्डल (Ozonosphere) →

1. धरातल से 32-60 Km के मध्य ओजोन मण्डल है।
2. इस मण्डल में ओजोन गैस की एक परत पायी जाती है। जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणो को अवशोषित कर लेती है इसीलिये इसे पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहते है।
3. ओजोन परत को नष्ट करने वाली गैस CFC (Cholo.ro floro Carbon) है जो एयर कंडीशनर, रेफ्रीजरेटर आदि से निकलती है।
4. ओजोन परत में क्षरण CFC में उपस्थित सक्रिय क्लोरीन (cl) के कारण होती है।
5. इस मण्डल में ऊँचाई के साथ-२ तापमान बढ़ता जाता है। प्रति 1 Km की ऊँचाई पर तापमान मे 5°C की वृद्धि होती है।

4. आयन मण्डल (Ionosphere) →

1. इसकी ऊँचाई 60-640 Km तक होती है
2. इस मण्डल में सबसे नीचे स्थित D-layer से long radiowaves एवं E1, E2 और F1, F2 परतो से short radiowaves होतीहै। जिसके फलस्वरूप पृथ्वी पर रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन एवं रडार आदि की सुविधा है। संचार उपग्रह इसी मण्डल में अवस्थित है।

बाह्य मण्डल — 1. 640 km से ऊपर के भाग को बाह्यमण्डल कहते हैं।

2. इस मण्डल में H_2 एवं He गैस की प्रधानता है।

3. इस मण्डल की महत्वपूर्ण विशेषता इसमे ऑरेरा आस्ट्रालिस एवं ऑरोरा बोरियालिस की होने वाली घटनाएँ है.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

जैवमण्डल (BIOSPHERE)

पर्यावरण के जैव तथा अजैव संघटक मिलकर परस्पर क्रिया द्वारा जैवमण्डल की रचना करते हैं। पृथ्वी का समस्त भाग जिसमें जीव विद्यमान है (जल, स्थल, वातावरण) तथा जीवीय एवं अजीवीय घटक संयुक्त रूप से जीवमण्डल का निर्माण करते हैं।

जैव मण्डल को चार भागो में बाटाँ गया है।

1. जलमण्डल
2. स्थलमण्डल
3. वायुमण्डल
4. सजीव या जीव जगत

1. <u>जलमण्डल</u> (Hydrosphere) → सम्पूर्ण पृथ्वी का 3/4 भाग (लगभग 71%) पर जलमण्डल का विस्तार है। पृथ्वी पर उपस्थित सभी जलाशय खारे जलीय तथा समुद्री जैसे – महासागर, ज्वारनदमुखी, झील, तालाब जलधाराएँ, नदियाँ, आदि. संयुक्त रूप से जलमण्डल का निर्माण करते हैं।

2. <u>स्थल मण्डल</u> (Lithosphere) → स्थल मण्डल पृथ्वी की ठोस पर्त का बना हुआ है इसके अन्तर्गत चट्टाने, मृदा खनिज आते हैं खनिजो का मुख्य स्रोत स्थलमण्डल है खनिज जैव-तन्त्र के लिये बहुत ही आवश्यक घटक है।

3. <u>वायुमण्डल</u> (Atmosphere) → जलमण्डल तथा स्थलमण्डल मैसो के ढके रहते है इनमें भी जीव विद्यमान रहते है वायुमण्डल कहलाते है। आक्सीजन (O_2), CO_2 (कार्बन डाई आक्साइड), नाइट्रोजन आदि गैस जीवो को वायुमण्डल से ही मिलती है जो जीवो के लिये आवश्यक है।

4. <u>सजीव या जीवजगत</u> (Biosphere) → पृथ्वी पर उपस्थित सजीवो में मानव जन्तु, वनस्पति तथा सूक्ष्मजीव सम्मलित है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

पर्यावरण का परिचय

परिचय → पर्यावरण अध्ययन का अध्यापन राष्ट्रीय पाठ्यचर्या समिति ने 1975 के नीतिगत दस्तावेज " 10 वर्षीय स्कूल के लिये पाठ्यक्रम एक रूपरेखा अर्थात् (The Curriculum for the 10 year School - a frame Work) में सिफारिश की थी, कि एकल विषय पर्यावरण अध्ययन (EVS) प्राथमिक स्तर पर पढ़ाया जाना चाहिये।

1. पहले 2 वर्ष में (कक्षा 1-2) पर्यावरण अध्ययन प्राकृतिक और सामाजिक वातावरण दोनो को देखेगा जबकि - कक्षा 3-4 में सामाजिक अध्ययन और सामान्य विज्ञान के लिए अलग से होगे EVS Part 1 और EVS Part 2

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Policy of education) 1986 और राष्ट्रीय पाठ्चर्या की रूप रेखा (NCF) 1988 में प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण के लिये यही दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

3. NCF 2000 में सिफारिश की थी कि पर्यावरण अध्ययन को एक एकीकृत पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाये, प्राथमिक स्तर पर पर (कक्षा 3-4) पर विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिये अलग-2 विषय ना पढ़ाया जाये।

4. वर्तमान NCF 2005 में पर्यावरण अध्ययन के लिये एकीकृत दृष्टिकोण की निरंतरता आगे मजबूत बनाने का आह्वान किया है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

पर्यावरण

जल, वायु, भूमि, पशु वनस्पति और मनुष्य सभी मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते हैं इनमें से प्रत्येक तत्व के अनुपात को इस प्रकार लिया जाता है कि वे पृथ्वी पर एकरूपता बनाए।

पर्यावरण शब्द, फ्रांसीसी शब्द 'इन्वीरोनर' से लिया गया है जिसका अर्थ है पूरा परिवेश।

पर्यावरण परिभाषा → पर्यावरण वास्तव में बाह्य परिस्थितियों का परिवेश है जो मनुष्य, पौधे या पशु के विकास, उसके रहन सहन एवं कार्य करने की स्थिति आदि को प्रभावित करता है।

रास के अनुसार, "पर्यावरण को किसी बाह्य बल के रूप में परिभाषित कर सकते हैं जो हमें प्रभावित करता है।"

डगलस एवं होलैंड, "पर्यावरण शब्द सभी बाह्य ताकतों, प्रभावों एवं अवस्थाओं का वर्णन करने के लिये इस्तेमाल होता है। जो सजीवों की जीवन प्रकृति, व्यवहार एवं, वृद्धि, विकास एवं परिपक्वता को प्रभावित करता है।

पर्यावरण के प्रकार → सामान्यतः पर्यावरण तीन प्रकार के होते हैं जो मनुष्य के व्यक्तित्व को प्रभावित करता है।

1. प्राकृतिक या भौतिक
2. सामाजिक
3. सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक

1. प्राकृतिक या भौतिक ⇒ यह मूलतः भौगोलिक जलवायु एवं मौसम या भौतिक अवस्थाओं की दशाएं हैं जिसमें जीव जन्तु वास करते हैं। मानव जाति जलवायु परिस्थितियों से बहुत प्रभावित हुआ है इसके अंतर्गत आकाश, जल, वायु वनस्पति, पृथ्वी की सतह के नीचे तत्व एवं जीव जन्तु आते हैं।

1. यूरोपीय देशों के लोग सफेद रंग के होते हैं जबकि अफ्रीकी लोग काले रंग के होते हैं।

2. भौतिक पर्यावरण लोगों के शारीरिक बनावट को भी प्रभावित करता है मानव की कार्य दक्षता भी जलवायु की परिस्थिति पर निर्भर करता है।

2. सामाजिक → किसी व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक अवस्था उसके सामाजिक वातावरण के तहत आता है इसमें समुदाय, समाज, समिति एवं मानवीय संबंधों द्वारा निर्मित सभी प्रकार की संस्थायें आती हैं।

3. सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक → मनोवैज्ञानिक वातावरण वे में व्यक्ति के व्यक्तित्व को समझने में मदद करता है। सभी प्रकार की रस्में, रीतिरिवाज, नैतिक, कानून एवं किसी के व्यवहारीय प्रतिमान इस श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

पर्यावरण संरचना

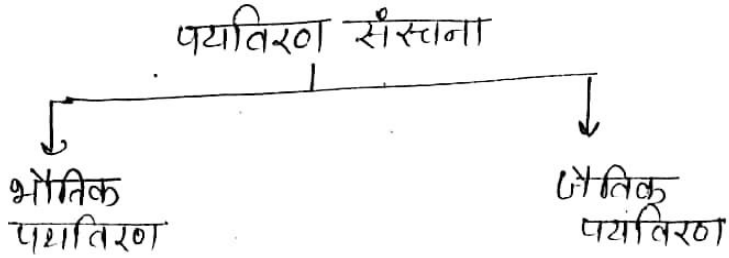

- भौतिक पर्यावरण
- जैविक पर्यावरण

1. <u>भौतिक पर्यावरण</u> → यह तीन श्रेणियों में वर्गीकृत है -

1. ठोस जो स्थलमंडल का प्रतिनिधित्व करता है (पृथ्वी)
२. द्रव जो जलमंडल का प्रतिनिधित्व करता है।
3. गैस या वातावरण। (जलीय घटक)

इन्हे पुनः छोटे - छोटे इकाइयों में विभाजित किया जा सकता है जैसे कि पठार, तटीय, पहाड़, ग्लेशियर इत्यादि

२. <u>जैविक पर्यावरण</u> → इसके अंतर्गत आते हैं।

1. वनस्पति (पादप)
२. जंतु समूह (जानवर)

इस प्रकार, इस जैविक वातावरण में सभी जीव जंतु विभिन्न स्तरों पर मिलकर कार्य करके अपने सामाजिक समूहों एवं संगठन का निर्माण करते हैं। यह प्रक्रिया आर्थिक वातावरण को जन्म देता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Toppersnotes
Unleash the topper in you

पर्यावरण अध्ययन का क्षेत्र ⇒

पर्यावरण के प्रति सोच का आरम्भ कुछ प्रमुख घटनाओं के घटित होने के कारण हुई है आज पर्यावरण के अध्ययन का क्षेत्र सिर्फ इसलिये हुआ है कि पर्यावरण खतरे ने मनुष्य को गंभीर परेशानियों में डाल दिया है। इसके क्षेत्रों का निम्न तरह से सार प्रस्तुत किया जाता है।

1. प्राकृतिक संपदा एवं इनकी समस्याओं का संरक्षण एवं सुरक्षा इसमें जल, मृदा, वन, खनिज, बिजली एवं परिवहन शामिल है।

2. यह पर्यावरण में जैव विविधता की समृद्धि एवं पौधो, जंतु एवं सूक्ष्मजीवों की प्रजाति के खतरे के प्रति जरूरी जानकारी भी प्रदान करता है।

3. यह वनस्पति एवं जंतु के प्रकारो एवं उनकी सुरक्षा के बारे में अध्ययन करता है।

4. अध्ययन क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं (बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात आदि) के कारण एवं परिणाम को समझने एवं प्रदूषण एवं प्रभावो जैसे कि रेडियोधर्मी प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा, जल एवं सामाजिक प्रदूषण को कम करने के उपायो में मदद करता है।

5. मानव पर्यावरण संबंध
6. पर्यावरण से संबधित सामाजिक मुद्दे।
7. पर्यावरण मुद्दो से संबधित नीति एवं कानून।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

पर्यावरण अध्ययन का महत्व ⇒

1. संपूर्ण शिक्षा का उद्देश्य बच्चो की मानसिक, भावात्मक, सृजनात्मक, सामाजिक, शारीरिक आदि क्षमताओ का विकास करना है, यह सिर्फ कक्षाओ में रट्टा मार कर पढने से नही होता बल्कि पर्यावरण के साथ जुडाव तथा अनुभव से होता है।

2. पर्यावरण अध्ययन के मुख्य केन्द बिंदुओ में से एक है। बच्चो को वास्तविक संसार जिसमे वह रहते है से परिचित कराया जाए पर्यावरण अध्ययन की परिस्थितियाँ तथा अनुभव उन्हे अपने प्राकृतिक एवं मानव निर्मित प्रति देश की छानबीन करने तथा उससे जुडने में सहायक है।

3. हम अपने अस्तित्व एवं जीवन की निरंतरता के लिए अपने पर्यावरण पर निर्भर है इस संदर्भ में अपनी समाज का विकास तथा पर्यावरण की रक्षा एवं संरक्षण करने का प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। इस बात की समझ अत्यन्त आवश्यक है कि हमारे पर्यावरण की संरचना क्या है, तथा इसका महत्व क्या है पर्यावरण अध्ययन इसमें सहायक होता है।

4. पर्यावरण अध्ययन बच्चो को यह समझ प्रदान करता है कि हम किस प्रकार से अपने भौतिक, जैविक सामाजिक तथा सांस्कृतिक पर्यावरण के साथ क्रियाकलाप करते है तथा उसके द्वारा प्रभावित होते है।